NILAMBER – PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR

PALAMAU 822101 (JHARKHAND)

DISSERTATION लघु शोध - प्रबंध

TOPIC

कांके प्रखण्ड के अंतर्गत मुस्लिम एकाग्रता का अध्ययन : -

SUBJECT : GEOGRAPHY P.G. SEMESTER – IV PAPER – CCGEOG309P

UNIVERSITY DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

RESEARCH DIRECTOR

SATYA PRAKASH CHOUADHARY
HEAD OF DEPARTMENT
UNIVERSIT DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
N.P. UNIVERSITY, MEDININAGAR
PALAMAU , JHARKHAND

Head
University Dept. of Geography
N.P.U. Medininagar, Palamu

RESEARCHER
RANI KUMARI
P. G. SEMESTER IV
ROLL NO 18MA0500423
REG. NO NPU/12913/16

2018 -2020

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता हैं की रानी कुमारी क्रमांक संख्या 18MA0500423 पंजीयन संख्या NPU/ 12913/16 सत्र 2018 – 2020 में लघु - शोध का कार्य सम्पन्न किया जिसमें इनका विषेश शोध कांके प्रखण्ड के अंतर्गत मुस्लिम साक्षरता का अध्ययन पर रहा । स्नात्कोतर भूगोल विभाग नीलाम्बर पीताम्बर विश्वविद्यालय सेमेस्टर - IV सत्र 2018 – 2020 की परीक्षा के लिए मैं रानी कुमारी का अनुशंसा करता हूँ ।

विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक

सत्य प्रकाश चौधरी

भूगोल विभाग

नीलाम्बर पीताम्बर विशवविद्यालय

आभार - ज्ञापन

स्तुत लघुशोध नीलाम्बर - पीताम्बर विशवविद्यालय द्वारा निर्धारित MA सेमेस्टर IV की
ूगोल की निर्णायक परीक्षा के लिए किया गया एक प्रयास हैं ।

प्रस्तुत लहुशोध " कांके प्रखण्ड के अंतर्गत मुस्लिम एकाग्रता का अध्ययन " के
सफल मार्ग - दर्शन के लिए मैं अपने निर्देशक एवं विभागाध्यक्ष प्रोफ. सत्य प्रकाश चौधरी
ा तहे दिल से आभार प्रगट करती हूँ , इनके कुशल निर्देशन ,सहायता एवं प्रेरणा के बगैर
रे द्वारा यह शोध कार्य समय पर सम्पादित करना संभव नहीं था ।

हम अपने विभागाध्यक्ष के प्रति काफी स्नेह रखती हूँ की इन्होने हमें भगौलिक ज्ञान
प्त करने के लिए सुअवसर प्रदान किया और विभाग के सर प्रोफ. सत्य प्रकाश चौधरी ने
पना बहुमूल्य समय देकर मेरा मार्गदर्शन किया ।

विभाग के उन सभी शोधार्तियो एवं कराम्चारियो का भी धन्यवाद करती हूँ जो इस कार्य को
रा करने के लिए हमारी पूरी मदद की ।

Rani Kumari

रानी कुमारी

शोधकर्ता

प्रस्तावाना

भूगोल के अध्ययन में खोज एवं अन्वेषण का रूप में जिस नई विद्या का उदय है। समय, के साथ–साथ उसे नई विधि के विषय क्षेत्र में विस्तृत एवं व्यापक परिवर्तन होते जा रहे है।

भौगोलिक अन्वेषण कार्यों में विद्यार्थी जिस क्षेत्र का अन्वेषण करता है। उस पूरे क्षेत्र के क्षेत्रिय संबंधों एवं समस्या का विशेष प्रभाव उसके शोध पत्र पर पड़ता है। व्यवहारिक एवं तथ्यात्मक शिक्षा के दृष्टिकोण से भूगोल स्नातकोत्तर विभाग के लिए राँची कॉलेज ने DISSERTATION को प्रयोगगिक भूगोल में महत्त्वपूर्ण विषय के रूप मे अनिवार्य बना दिया है।

शोधकार्य के अन्तर्गत उस क्षेत्र के लोगों की सभ्यता, संस्कृति, जलवायु मिट्टी, प्राकृतिक संसाधन एवं क्षेत्र के आर्थिक परितृष्य का विस्तृत अध्ययन किया जाता है। अतः में आँकड़ो के विश्लेषण एवं संश्लेषण द्वारा सम्पूर्ण जानकारी को सरलता पूर्वक प्रस्तुत किया जाता है।

विषय सूची

क्र. सं	शीर्षक
	शोध का अर्थ
	अध्ययन विधि
अध्याय–1	कांके प्रखण्ड का सामान्य भौगोलिक परिचय
	(क) भौतिक पक्ष • स्थिति एवं विस्तार • जल प्रवाह • जलवायु • मिट्टी • वनस्पति • पशुपान (ख) सांस्कृतिक पक्ष • भूमि उपयोग • कृषि • जनसंख्या • व्यवसायिक संरचना • साक्षरता दर • संस्कृति • मानव बसाव • यातायात एवं संचार
अध्याय–2	मुस्लिम एकाग्रता का अध्ययन
	(1) सुन्नि (2) शिया • एकाग्रता का अर्थ

	• मुस्लिम शादी विवाह • इस्लाम में शादी का अर्थ • निकाह का समारोह • समस्या
तृतीय अध्याय	
	सुझाव
	व्यक्तिगत सर्वेक्षण प्रश्नावली
	निष्कर्ष
	संदर्भ